मार्टिन लूथर किंग जूनियर दिवस क्या है?

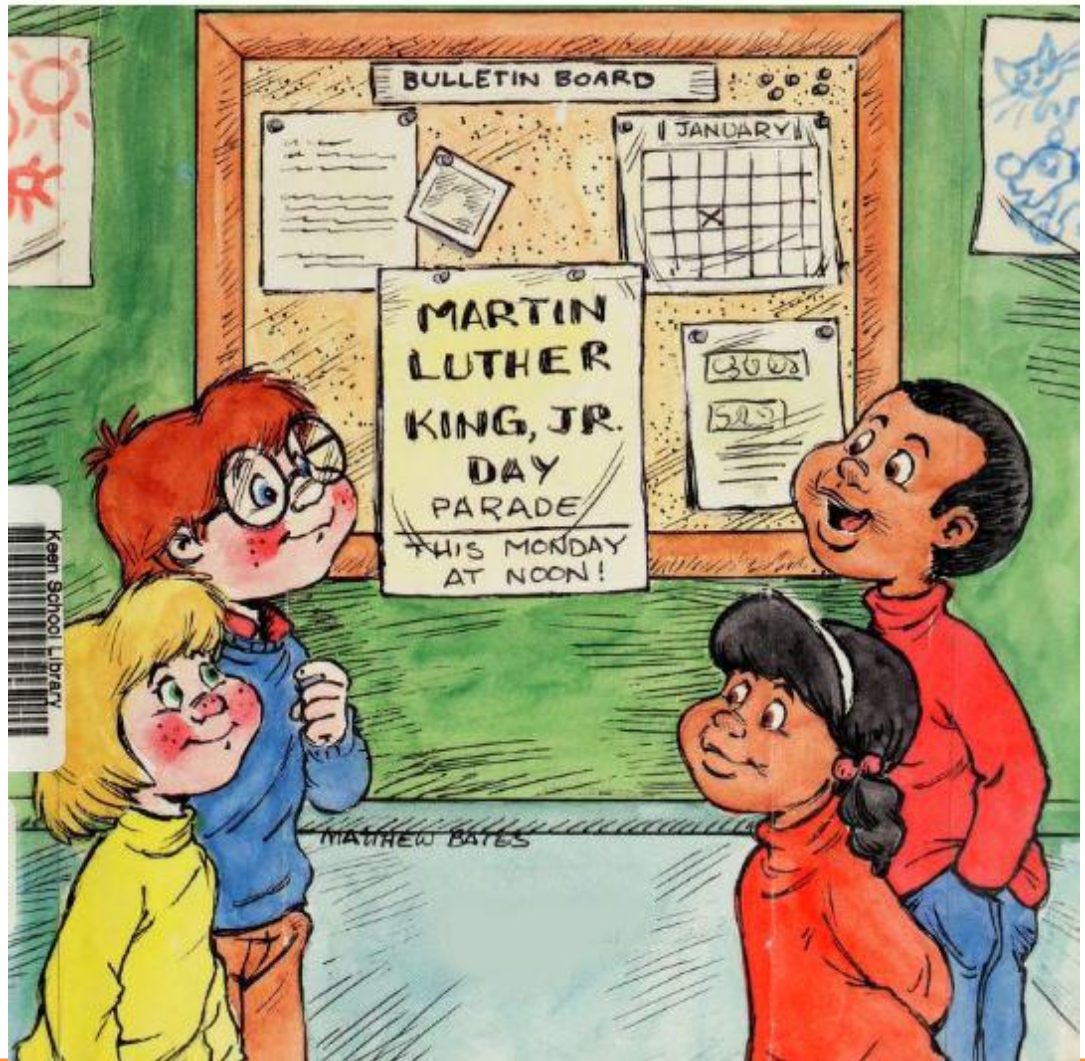

“हाइ, जैनेट! हाइ, ऐमी! हाइ, डैनियल!” बेन ने चिल्ला कर कहा. “कल छुट्टी है और मैं आइस-स्केटिंग करने जा रहा हूँ, मेरे साथ आना चाहते हो?”

"बर्र!" ऐमी कांपने लगी. "मैं तो अपने गर्म घर के अंदर रहूंगी."

"नहीं, धन्यवाद," डैनियल बोला. "जैनेट और मैं एक परेड में भाग लेंने जा रहे हैं."

"परेड? कैसी परेड?" ऐमी ने पूछा.

"ऐमी, क्या तुम नहीं जानती कि कल किस बात की छुट्टी है?" जैनेट ने पूछा.

"मुझे लगता है," बेन ने कहा, "कि कल की छुट्टी किसी किंग से संबधित है. ओह, मुझे याद आया. यह छुट्टी एक किंग के सम्मान में है जिनका नाम मार्टिन था."

"नहीं, यह इसलिये है कि हम एक महान व्यक्ति, जिनका नाम मार्टिन लूथर किंग जूनियर था, उन्हें याद करते हैं. वह कोई राजा नहीं थे लेकिन किंग उनके नाम का अंतिम शब्द था." डेनियल ने कहा.

"वह इतने प्रसिद्ध कैसे हो गये?" बेन ने पूछा.

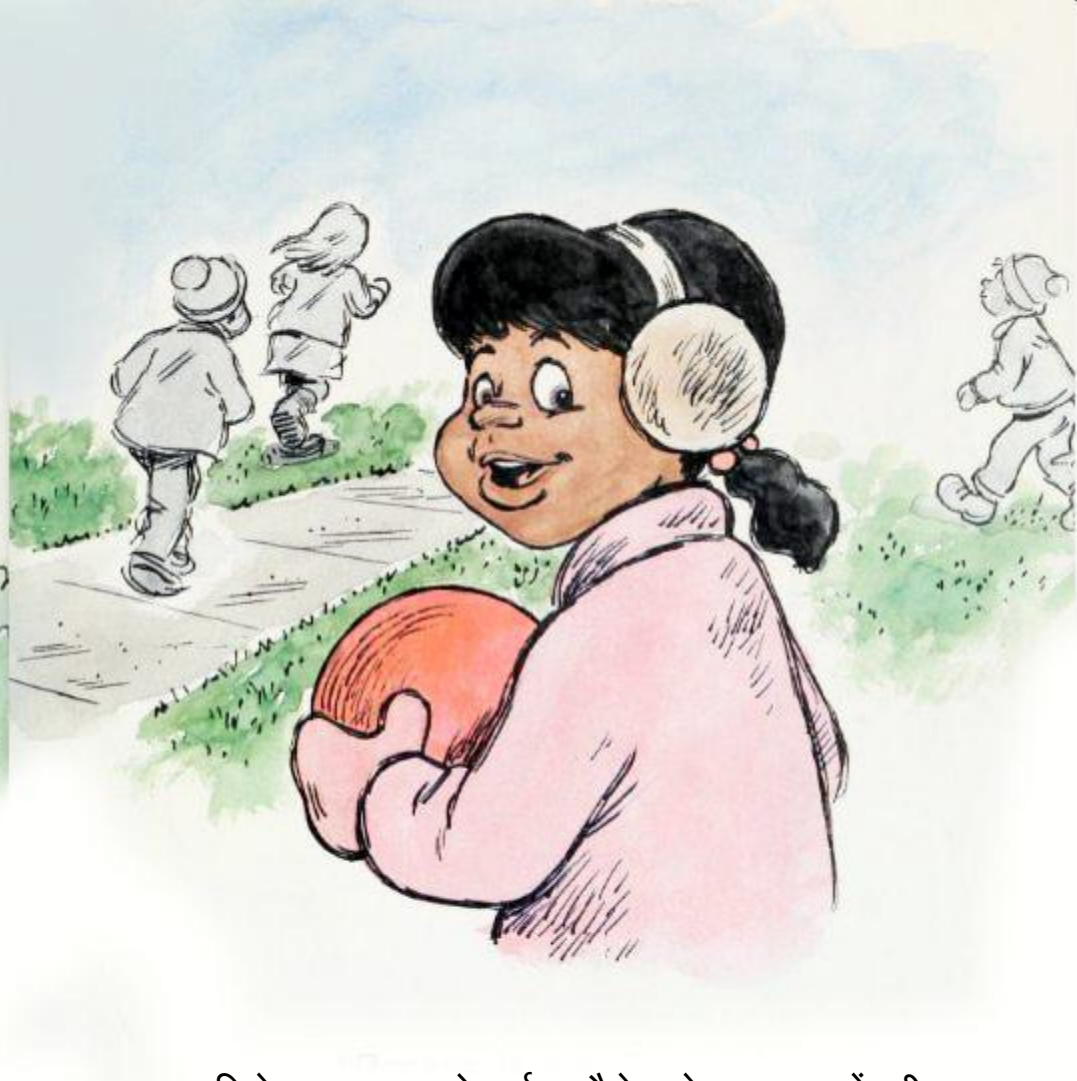

"रिसेस समाप्त हो गई," जैनेट ने कहा. "हमें शीघ्र अपनी कक्षा में वापस जाना होगा."

"लेकिन मैं मार्टिन लूथर किंग के विषय में और जानना चाहती हूँ!" ऐमी ने चिल्ला कर कहा.

"मैं भी," बेन बोला.

डैनियल मुस्कराया, "स्कूल के बाद मेरे घर आना और उस महान व्यक्ति के बारे में मैं तुम्हें सब बताऊंगा."

"ठीक है! हम तुम से बाद में मिलेंगे," ऐमी ने कहा.

“जब मार्टिन लूथर किंग जूनियर एक छोटे लड़के थे,” डेनियल ने बताना शुरु किया, “तो वह जियोर्जिया के एक नगर एटलांटा में स्थित एक बड़े दो-मंज़िला घर में रहते थे.

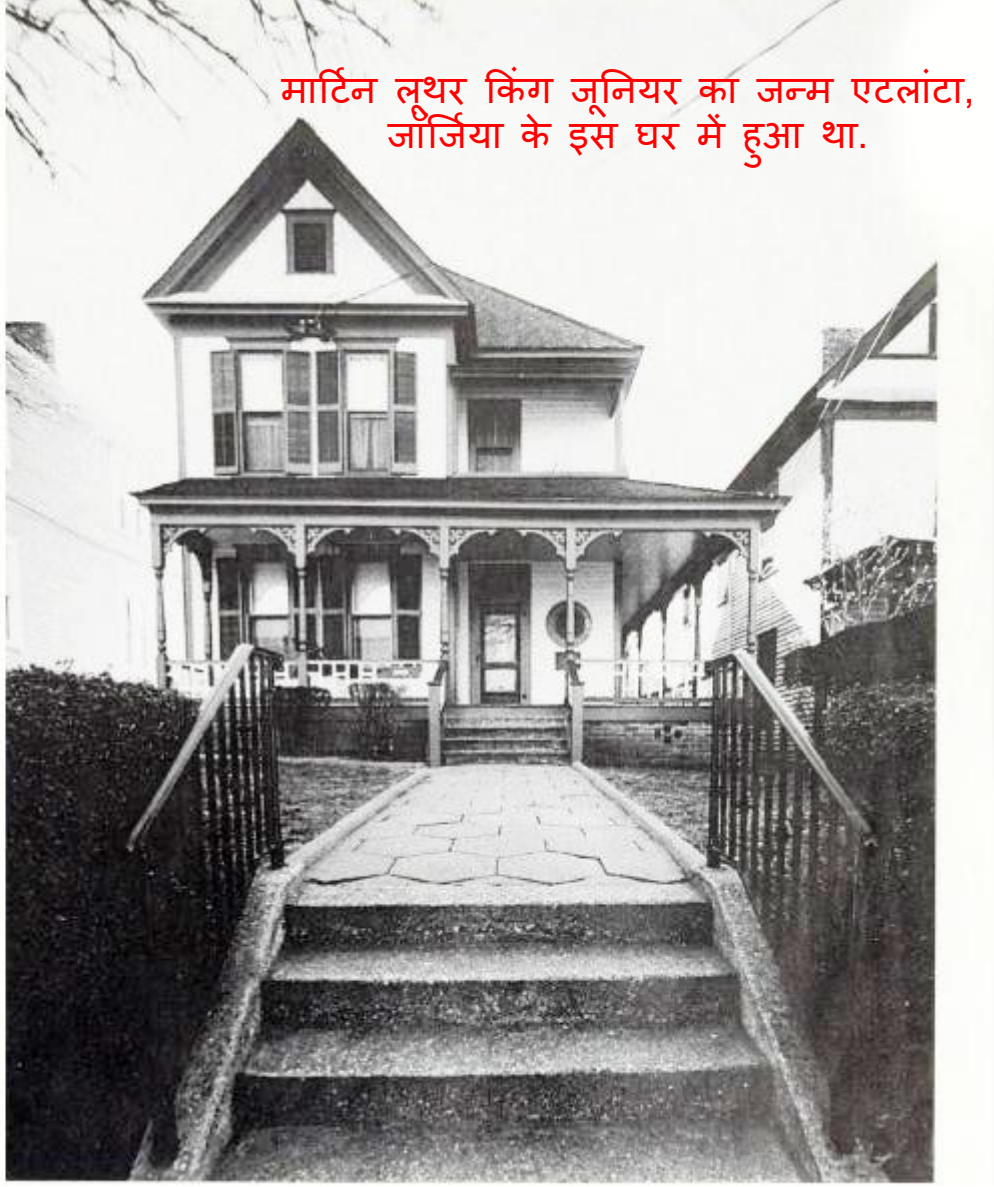

मार्टिन लूथर किंग जूनियर का जन्म एटलांटा, जॉर्जिया के इस घर में हुआ था.

“मार्टिन के पिता एबेनेज़र चर्च के पादरी थे. उन्होंने अपने बच्चों को हर एक के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना सिखाया.

एटलांटा का एबेनेज़र चर्च

मार्टिन लूथर किंग जूनियर का परिवार. वो दाएं को बैठे हैं.

“लेकिन जब मार्टिन बड़े हुए तो उन्होंने देखा कि लोग हर एक के साथ वैसा व्यवहार नहीं करे थे जैसा उनके पिता ने उन्हें सिखाया था.

“उन्होंने खासकर देखा कि अमरीका के अफ़्रीक़ी मूल के अश्वेत लोगों के साथ अलग व्यवहार होता था.”

“अश्वेत लोगों के साथ किस तरह का अलग व्यवहार होता था?” ऐमी ने पूछा.

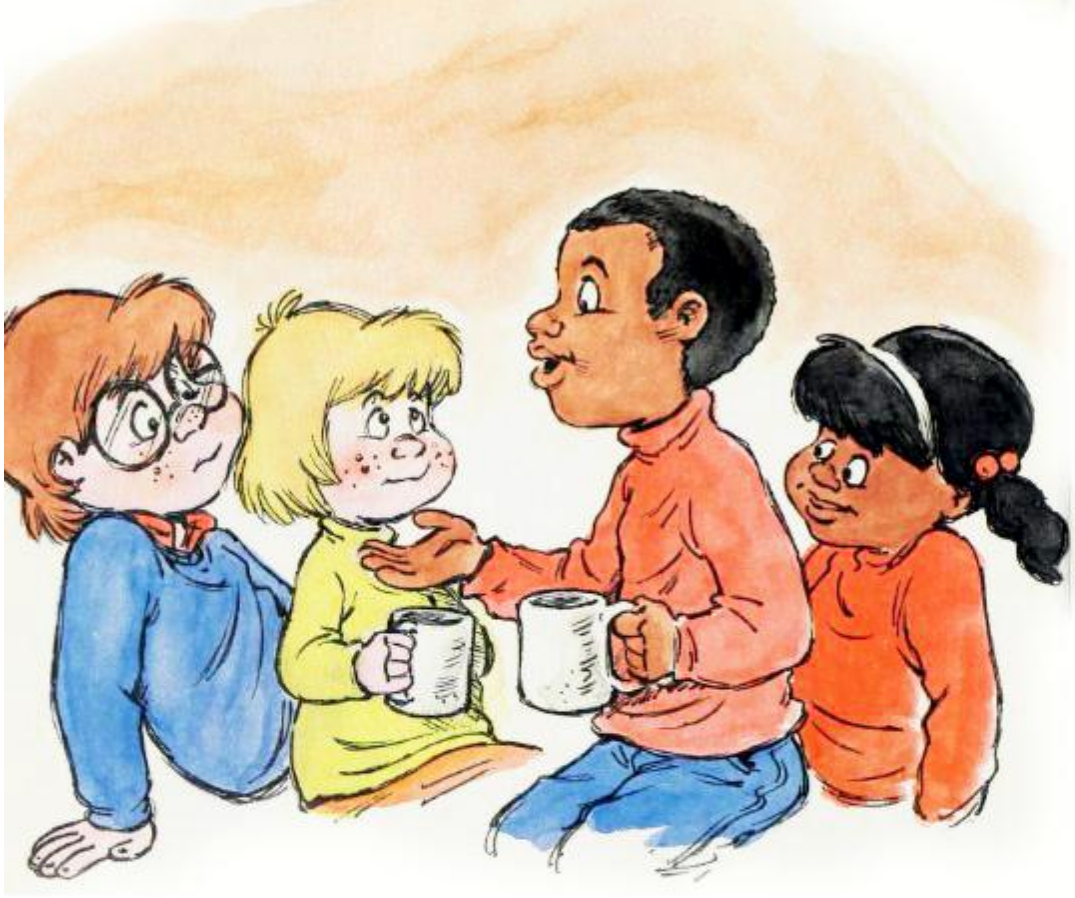

"अश्वेत लोगों के लिये पानी पीने के नल अलग होते थे, उनके शौचालय अलग होते थे," डेनियल ने बताया.

"अश्वेत बच्चे, गोरे बच्चों के साथ स्कूल नहीं जा सकते थे.

"अश्वेत लोगों को बस में अलग, पीछे बैठना पड़ता था.

कुछ राज्यों में ऐसे नियम थे कि बस में कोई अश्वेत, किसी गोरे के पास नहीं बैठ सकता था.

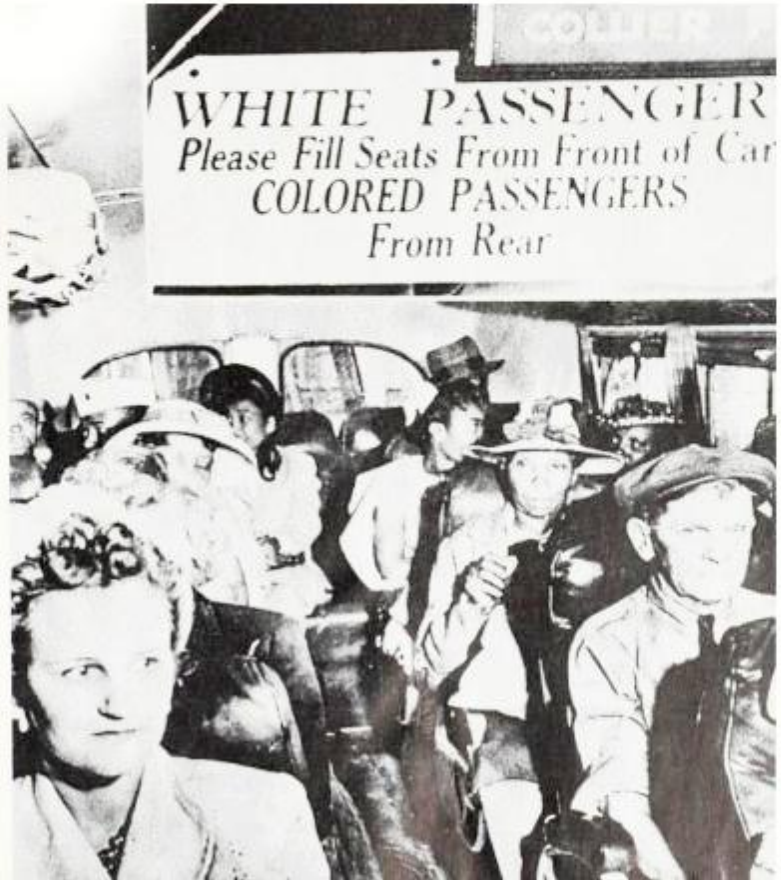

"जहाँ खाना चाहें वहाँ वह खा नहीं सकते थे.

"और जैसा काम वह करना चाहते थे वैसा कर नहीं सकते थे.

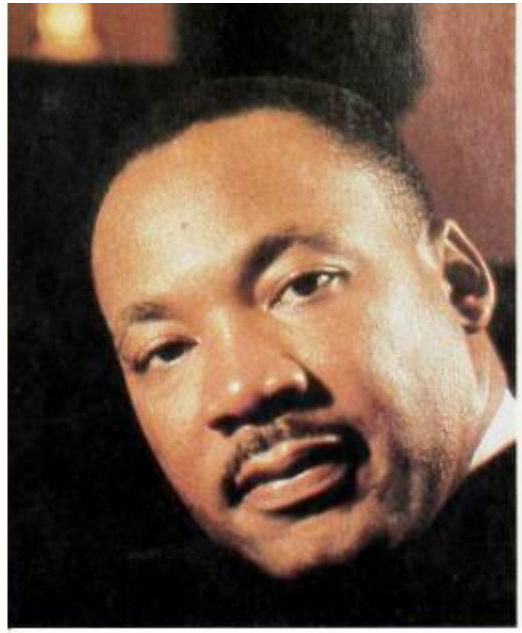

कॉलेज में मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने गाँधी के बारे में सुना. गाँधी (दाएं) का हिंसा में यकीन नहीं था. उनके अनुसार लोग शांतिपूर्ण आंदोलनों द्वारा काले क़ानून बदल सकते थे.

"मार्टिन जब कालेज गये तो उन्होंने भारत के एक व्यक्ति के विषय में सुना जिन का कहना था कि सब लोग, चाहे वह कैसे भी दिखते हों, एक समान थे. भारत के उन व्यक्ति का यह भी कहना था कि लोग उन कानूनों को शांतिपूर्वक बदल सकते थे जो अन्यायपूर्ण थे.

"मार्टिन का भी विश्वास था कि ऐसा किया जा सकता था. उनके मन में विचार आया कि स्थिती को बदलने का उन्हें प्रयास करना चाहिए ताकि सब लोगों के साथ एक जैसा व्यवहार हो.

"मार्टिन का मानना था कि, बिना हिंसा के, शांतिपूर्वक ढंग से बदलाव लाया जा सकता था.

"उन्होंने लोगों को समझाया कि सब के समान अधिकार होते हैं," डेनियल ने कहा.

पूरे अमरीका में लोगों ने शांतिपूर्ण आंदोलनों किए.

"समान का क्या अर्थ होता है?" ऐमी ने पूछा.

"समान का अर्थ होता है एक जैसा," बेन ने कहा.

"और इन समान अधिकारों को नागरिक अधिकार कहते हैं," डेनियल ने कहा.

“डाक्टर किंग और दूसरे अश्वेत नेताओं ने नियम-कानून में बदलाव लाने के लिये बहुत मेहनत की.

“जिन राज्यों में कानून बदलने की आवश्यकता थी वहां डाक्टर किंग ने शांतिपूर्ण जुलूस निकाले.

अलाबामा में कोरेट्टा स्कॉट किंग ने अपने पति मार्टिन के साथ संघर्ष में भाग लिया. सेल्मा से मोंटगोमेरी की संघर्ष यात्रा में हज़ारों लोग डॉ. किंग के साथ जुड़े.

“डाक्टर किंग ने संयुक्त राज्य अमरीका की राजधानी वाशगिंटन डी सी में नागरिक अधिकारों के लिये सबसे बड़ा जुलूस अगस्त 1963 में निकाला.

“जब वह जनसमूह के सामने खड़े थे तो उन्होंने कहा, ‘मेरा एक सपना है, मेरा सपना है कि एक दिन अश्वेत लड़के और अश्वेत लड़कियाँ, श्वेत लड़के और श्वेत लड़कियों के साथ बहन और भाइयों समान इकट्ठे रास्तों पर चल सकेंगे.’

वाशिंगटन में हज़ारों लोगों ने मार्टिन लूथर किंग का प्रसिद्ध भाषण "मेरा एक सपना है...." सुना.

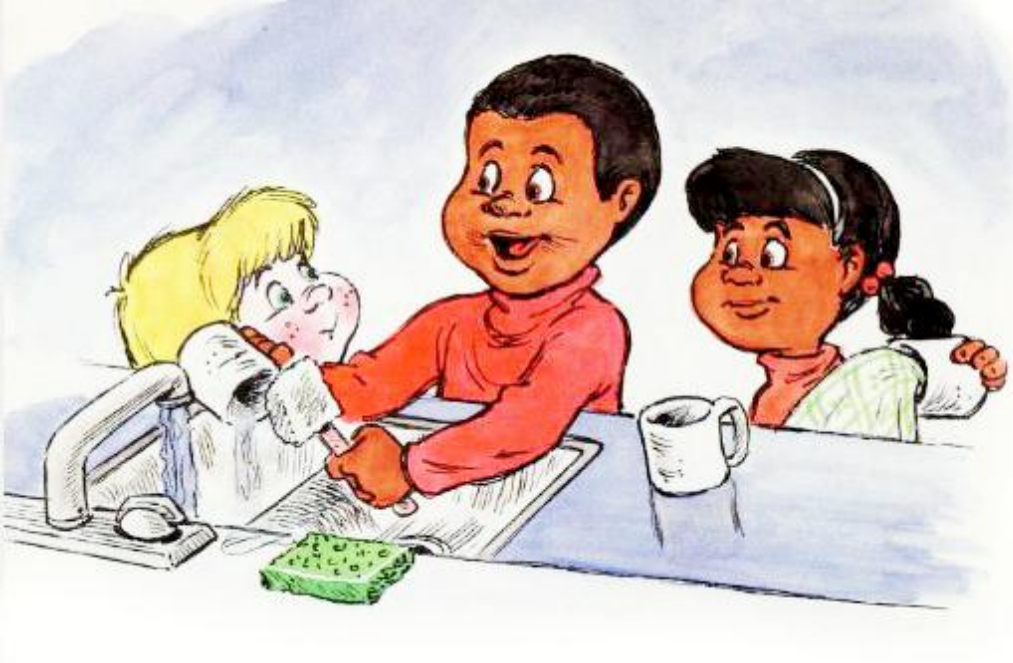

"कई अमरीकी डाक्टर किंग के विचारों से सहमत थे लेकिन कई लोग असहमत थे. उन्होंने डाक्टर किंग को जुलूस निकालने से रोकने का प्रयास किया.

"कभी-कभी डाक्टर किंग निराश हो जाते. लेकिन उन्होंने निश्चय किया कि अपने सपने को साकार करने में वह कार्यरत रहेंगे.

"दिसम्बर 1964 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार प्रधान किया गया."

1964 में मार्टिन लूथर किंग
नोबेल पुरुस्कार से सम्मानित हुए.

"नोबेल शांति पुरस्कार क्या होता है?" बेन ने पूछा.

"यह बहुत बड़ी धन राशि है जो उस व्यक्ति को दी जाती है जिसने विश्व शांति के लिये बहुत काम किया होता है," डेनियल ने बताया.

“डाक्टर किंग ने पुरस्कार की राशि अपने पास न रखी. उन्होंने उस राशि को उन लोगों को दे दिया जिन्होंने उनके साथ शांति के लिये काम किया था.

“वह अलग-अलग नगरों में जाकर अश्वेत लोगों के अधिकारों के लिये संघर्ष करते रहे.

“अप्रैल 1968 में वह मैम्फिस गये. वहाँ पर सफाई कर्मचारी अपनी स्थिती सुधारने के लिये संघर्ष कर रहे थे. डाक्टर किंग उनकी सहायता करने गये थे.

यह फोटो मार्टिन लूथर किंग की हत्या से एक दिन पहले का है.
वो मेम्फिस में अपने मोटेल की बालकनी में खड़े हैं.

"जब वह मैम्फिस में रुके हुए थे, तब एक शाम वह मोटल के अपने कमरे से बाहर आए.

"एक आदमी, जो उनसे घृणा करता था, राइफल लिए सड़क के पार छिप कर खड़ा था. जब उस आदमी ने डाक्टर किंग को देखा तो उसने गोली चलाई और उन्हें मार डाला.

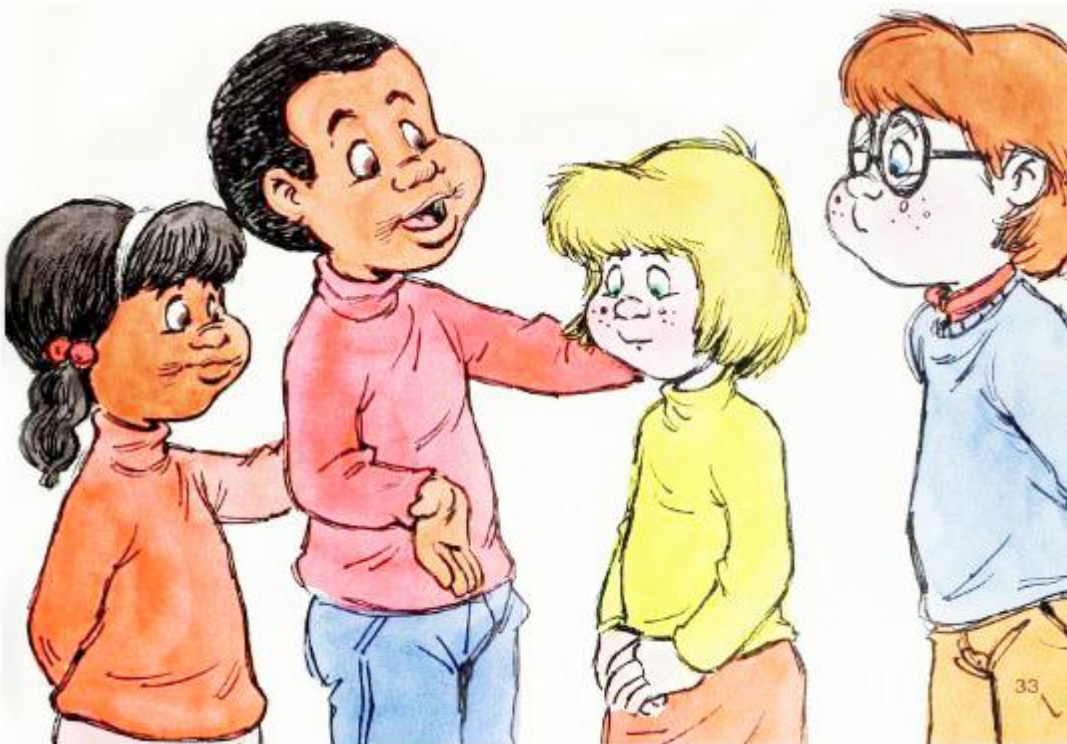

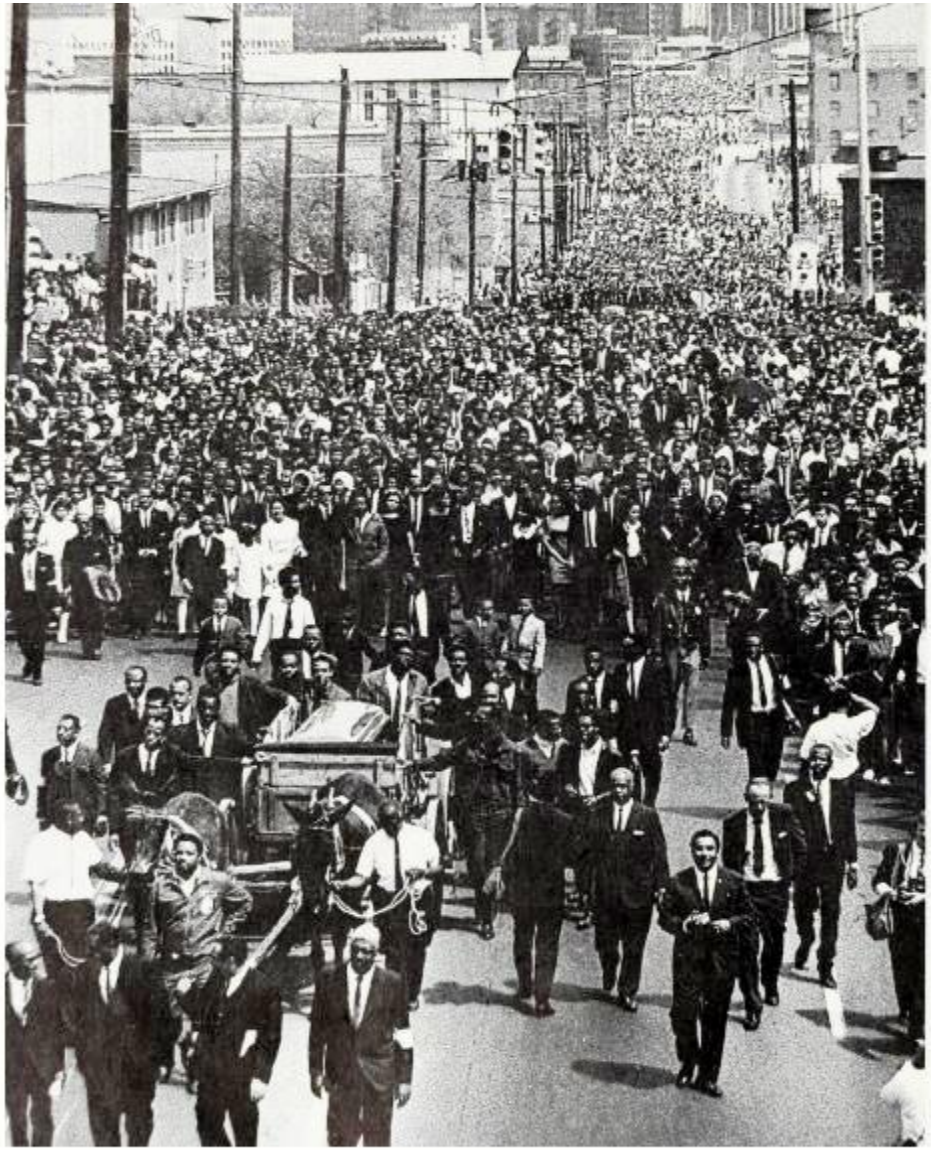

एक फार्म वैगन पर डॉ. किंग के पार्थिव शरीर को ले जाया गया.
एटलांटा, जॉर्जिया में उनके ज़नाज़े में पचास हज़ार से भी अधिक लोग थे.

“अमरीका के कई लोगों, जो उन्हें प्यार करते थे, विश्वास ही न कर पाये कि किसी ने डाक्टर किंग को मार दिया था.

“वह लोग उनके सपने को साकार करने के लिए प्रयास करना चाहते थे, इसलिए उनके जन्मदिन को वह राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मनाना चाहते थे.

डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर की सादी-सरल कब्र. जन्म 1929, मृत्यु 1968. उनके कातिल को 99 साल की कैद सुनाई गई.

"लंबा समय लगा और पंद्रह वर्ष बाद 1986 में काँग्रेस ने प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रीय अवकाश घोषणा की.

"डाक्टर किंग का जन्मदिन तो 15 जनवरी को होता है," जैनेट ने कहा, "लेकिन हम इसे जनवरी के तीसरे सोमवार को मनाते हैं."

“ज़रा सोचो,” बेन ने कहा, “अगर डाक्टर किंग ने इतनी मेहनत न की होती तो हम दोनों एक ही स्कूल में न पढ़ रहे होते और तुम मेरे मित्र न होते.”

“डाक्टर किंग ने बहुत प्रयास किया,” डेनियल बोला. “लेकिन अभी भी बहुत लोग दूसरों को इसलिए पसंद नहीं करते क्योंकि वह थोड़ा अलग होते हैं. हमें अभी भी बहुत काम करना है.”

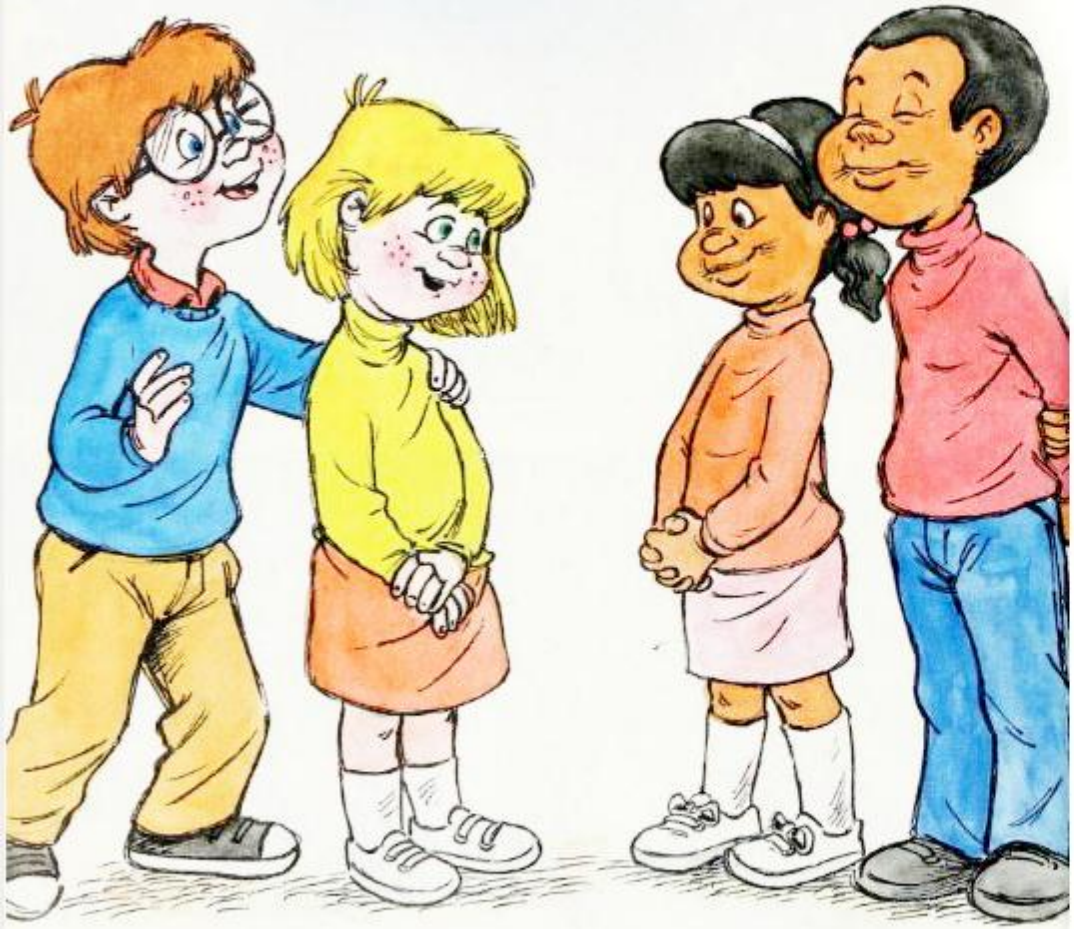

"मुझे लगता है कि मैं कल स्केटिंग नहीं करना चाहता," बेन ने कहा. "क्या मैं तुम्हारे साथ परेड में भाग ले सकता हूँ?"

"मैं भी घर में नहीं रहना चाहती," ऐमी ने कहा. "अगर मैं भी तुम्हारे साथ आऊँ तो क्या ठीक होगा?"

डेनियल और जैनेट मुस्कराये, “परेड में भाग लेकर हम डाक्टर किंग के सपने को जीवित रख सकते हैं.”

उपसंहार

मार्टिन लूथर किंग जूनियर का विवाह कोरेटा स्काट किंग के साथ हुआ था. उनके चार बच्चे थे. नागरिक अधिकारों के लिए जो संघर्ष उन्होंने किया उसके कारण अमरीका की सरकार को सब लोगों को समान अधिकार देने पड़े. सब राज्यों ने नये कानून बनाये. डाक्टर किंग के सम्मान में जनवरी का तीसरा सोमवार राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया.

समाप्त